हल प्रश्न पत्र, 2021-22

हिंदी 'अ'

सत्र-I, Set-4

Series : JSK/2	प्रश्न पत्र कोड : 003/2/4

निर्धारित समय : 90 मिनट **अधिकतम अंक : 40**

सामान्य निर्देश—

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पूरी तरह से पालन कीजिए:

(i) इस प्रश्न-पत्र में कुल 54 प्रश्न दिए गए हैं जिनमें से केवल 40 प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

(ii) सभी प्रश्न समान अंक के हैं।

(iii) प्रश्न-पत्र में तीन खंड हैं— खंड—क, ख और ग।

(iv) खंड-क में 20 प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्न संख्या 1 से 20 में से 10 प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार देने हैं।

(v) खंड-ख में 20 प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्न संख्या 21 से 40 में से 16 प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार देने हैं।

(vi) खंड-ग में 14 प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्न संख्या 41 से 54 तक सभी प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार देने हैं।

(vii) प्रत्येक खंड में निर्देशानुसार परीक्षार्थियों द्वारा पहले उत्तर किए गए वांछित प्रश्नों का ही मूल्यांकन किया जाएगा।

(viii) प्रत्येक प्रश्न के लिए केवल एक ही सही विकल्प है। एक विकल्प से अधिक उत्तर देने पर अंक नहीं दिए जाएँगे।

(ix) ऋणात्मक अंकन नहीं होगा।

खंड - क : अपठित गद्यांश

1. नीचे दो अपठित गद्यांश दिए गए हैं किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए: **(1 × 5 = 5)**

(अपठित गद्यांश-I)

बहुत से विद्वानों और चिंतकों ने इस बात को लेकर चिंता प्रकट की है कि भारतीय समाज आधुनिकता से बहुत दूर है और भारत के लोग अपने आप को आधुनिक बनाने की कोशिश भी नहीं कर रहे हैं।

नैतिकता, सौंदर्यबोध और अध्यात्म के समान आधुनिकता कोई शाश्वत मूल्य नहीं है। वह कई चीजों का एक सम्मिलित नाम है। औद्योगीकरण आधुनिकता की पहचान है। साक्षरता का सर्वव्यापी प्रसार आधुनिकता की सूचना देता है। नगर-सभ्यता का प्राधान्य आधुनिकता का गुण है। सीधी-सादी अर्थव्यवस्था मध्यकालीनता का लक्षण है। आधुनिक देश वह है, जिसकी अर्थव्यवस्था जटिल और प्रसारणशील हो और जो 'टेक-ऑफ' की स्थिति को पार कर चुकी हो।

आधुनिक समाज मुक्त और मध्यकालीन समाज बंद होता है। बंद समाज वह है जो अन्य समाजों से प्रभाव ग्रहण नहीं करता, जो अपने सदस्यों को भी धन या संस्कृति की दीर्घा में ऊपर उठने की खुली छूट नहीं देता, जो जाति-प्रथा और गोत्रवाद से पीड़ित है, जो अंधविश्वासी, गतानुगतिक और संकीर्ण है।

आधुनिक समाज में उन्मुक्तता होती है। उस समाज के लोग अन्य समाजों के लोगों से मिलने-जुलने में नहीं घबराते, न वे उन्नति का मार्ग खास जातियों और खास गोत्रों के लिए सीमित रखते हैं। आधुनिक समाज सामरिक दृष्टि से भी बलवान समाज होता है। जो देश अपनी रक्षा के लिए भी लड़ने में असमर्थ है, उसे आधुनिक कहलाने का कोई अधिकार नहीं है। आधुनिक समाज के लोग आलसी और निकम्मे नहीं होते। आधुनिक समाज का एक लक्षण यह भी है कि उसकी हर आदमी के पीछे होने वाली आय अधिक होती है, उसके हर आदमी के पास कोई धंधा या काम होता है और अवकाश की शिकायत प्राय: हर एक को रहती है।

1. गद्यांश के आधार पर सही तथ्य को चुनिए। **1**

(a) आधुनिक समाज मुक्त तथा मध्यकालीन समाज खुला होता है।

(b) आधुनिक समाज बंद तथा मध्यकालीन समाज मुक्त होता है।

(c) आधुनिक समाज मुक्त तथा मध्यकालीन समाज बंद होता है।

(d) आधुनिक समाज उन्मुक्त तथा मध्यकालीन समाज जड़ होता है।

2. शाश्वत मूल्यों में शामिल हैं— **1**

(a) नैतिकता, सौंदर्यबोध और अध्यात्म

(b) नैतिकता, सौंदर्यबोध और आधुनिकता

(c) नैतिकता, अध्यात्म और आधुनिकता
(d) सौंदर्यबोध, अध्यात्म और आधुनिकता

3. विद्वानों और चिंतकों ने किस बात के ऊपर चिंता व्यक्त की है? 1
(a) भारतीय समाज से आधुनिकता अभी बहुत दूर है।
(b) भारतीय समाज से न सिर्फ आधुनिकता दूर है बल्कि उसको लाने के प्रयास भी नहीं हो रहे।
(c) भारतीय समाज एक पारंपरिक समाज है जिसमें आधुनिकता अभी नहीं आ सकेगी।
(d) वैसे तो भारतीय समाज से आधुनिकता दूर है पर उसे जानने के प्रयास अवश्य हो रहे हैं।

4. आधुनिक समाज की विशिष्टताओं में शामिल है— 1
(क) उन्मुक्तता (ख) सामरिक बल (ग) आलस्य
उपरोक्त विकल्पों के आधार पर निम्नलिखित विकल्पों में सही विकल्प का चयन कीजिए:
(a) (क), (ख) और (ग) तीनों
(b) (क) और (ग)
(c) (ख) और (ग)
(d) (ख) और (क)

5. एक बंद समाज की विशेषताओं में किसे नहीं रखा जाएगा? 1
(a) अन्य समाजों से प्रभाव ग्रहण नहीं करना।
(b) जाति-प्रथा और गोत्रवाद से पीड़ित रहना।
(c) धन या संस्कृति के क्षेत्र में खुली छूट देना।
(d) अंधविश्वासी, पिछड़ा और संकीर्ण होना।

अथवा

(अपठित गद्यांश- II)

बंगाल की शस्य-श्यामला धरती का सौंदर्य अविस्मरणीय है। इसके मनोहर और उन्मुक्त सौंदर्य को प्रतिभाशाली रचनाकार अपने गीतों, निबंधों और कविताओं में बाँधने की कोशिश करते रहते हैं लेकिन इसके मायावी और लोकोत्तर आकर्षण का रंच मात्र ही वे रूपायित करने में सफल हो पाए हैं। अविभाजित बंगाल का सौंदर्य किसी भी संवेदनशील मस्तिष्क के भीतर हलचल पैदा कर सकता है। चाँदी सी चमकती मीलों लंबी नहरों और नदियों के बीच पन्नों की तरह चमकते हरे-भरे खेतों के चित्र संवेदनशील मन को अपूर्व आनंद से भर देते हैं। हरे-भरे खेतों में पके दानों की लहलहाती सुनहरी फसल, हवा में फुसफुसाते लंबे ताड़ के वृक्ष और साल की पत्तियों की बहती हुई मंद-मंद हवा, कंचनजंघा के उत्तुंग शिखर, सुंदरवन के घने जंगल, दीघा के सुंदर रेतीले समुद्र तट और उत्तर बंगाल के हरे-भरे चाय के बागान आँखों में रचे बसे रहते हैं। प्राकृतिक छटाओं से भरी-पूरी यह धरती युगों से महान लेखकों, कवियों और कलाकारों को प्रेरित करती रही है। इस अनोखे वरदान के केवल वही पात्र हैं जिन्हें इस धरती पर पैदा होने का सौभाग्य मिला है अथवा वे हैं जो अविभाजित बंगाल में रह चुके हैं।

6. किसी संवेदनशील मन को अपूर्व आनंद से भर देते हैं? 1
(a) नदियों, नहरों और खेतों के चित्र
(b) नदियों, समुद्रों और हीरे-पन्ने के दृश्य
(c) चाँदी की चमक और पन्नों की हरियाली
(d) फसलों और पेड़ों के मिले-जुले दृश्य

7. लेखक की दृष्टि में बंगाल की शस्य-श्यामला धरती का सौंदर्य कैसा नहीं है? 1
(a) अविस्मरणीय (b) मायावी
(c) आकर्षक (d) असामान्य

8. निम्नलिखित में से कौन सा युग्म गद्यांश के आधार पर सही है? 1
(a) फसल : घनी (b) समुद्र तट : रेतीले
(c) कंचनजंघा : मंद हवा (d) चाय बागान : सुनहरे

9. बंगाल की भूमि के विषय में कथन और कारण की सत्यता परखिए: 1
कथन : यह धरती युगों से महान लेखकों, कवियों और कलाकारों को प्रेरित करती रही है।
कारण : यह धरती युगों से प्राकृतिक छटाओं से भरपूर है।
(a) कथन और कारण दोनों असत्य हैं।
(b) कथन और कारण दोनों सत्य हैं।
(c) कथन सत्य पर कारण असत्य है।
(d) कथन असत्य पर कारण सत्य है।

10. इस गद्यांश का केंद्रीय-विषय है 1
(a) बंगाल के जादू को बताना
(b) अविभाजित बंगाल की धरती का सौंदर्य
(c) बंगाल में बिताए दिनों की याद
(d) प्रकृति का मनुष्य के ऊपर पड़ने वाला प्रभाव

II. **नीचे दो अपठित काव्यांश दिए गए हैं। किसी एक काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए:** **(1 × 5 = 5)**

(अपठित काव्यांश-I)

चमड़े का रंग मनुष्य-मनुजता को बाँटे
है गर्व तुम्हें जो अपनी उज्ज्वल सफेदी पर
यह है जघन्य अपमान प्रति का, मानव का
वह मिथ्या है, छल है, घमंड है चेहरे का
धरती पर घृणा जिए, मर जाए प्रीति प्यार
रंगों का राजा तो है रंग भीतर वाला
यह धर्म मनुज का नहीं, धर्म दानव का!
बाहरी रंग तो द्वारपाल है पहरे का।
हा! प्रेम-नाम ही है रे जिसका महाकाव्य
दुनिया ऐसी तस्वीर कि जिसके खाके में
यदि वही नहीं तो जीवन का क्या अर्थ यहाँ
आधी गोराई तो आधी कजलाई है,
यदि वही नहीं तो सृष्टि सभ्यता जड़ मृत है
पाँवों के नीचे यदि गौर वर्ण वसुधा
यदि वही नहीं तो ज्ञान सकल है व्यर्थ यहाँ।
तो सिर पर श्याम गगन की छाया छाई है।

11. काव्यांश में मुख्य रूप में किस समस्या का उल्लेख किया गया है? 1
(a) लिंगभेद (b) असमानता
(c) रंगभेद (d) गैर-बराबरी

12. कवि के अनुसार जीवन व्यर्थ कब होता है? 1
(a) प्रेम नहीं होने पर (b) मनुष्यता से हीन होने पर
(c) सभ्यता के जड़ होने पर (d) ज्ञान से विहिन होने पर

13. उज्ज्वल सफेदी पर गर्व क्या है? 1
(a) सदियों की परंपरा का पालन
(b) बाजार का दबाव और रंगभेद
(c) मिथ्या, छल और अभिमान
(d) सत्य, अभिमान और यकीन

14. कवि कहता है 'रंगों का राजा तो है रंग भीतर वाला'- भीतर वाले रंग का क्या तात्पर्य है? 1
(a) व्यक्तित्व का आकर्षण (b) वास्तविक खूबसूरती
(c) व्यक्तिगत आचरण
(d) आंतरिक गुण और स्वभाव

15. गोरे और काले वर्ण के लिए प्रकृति से कौन सा प्रतीक दिया गया है? 1
(a) राधा और कृष्ण का (b) धरती और आसमान का
(c) नदियों और सागर का (d) मनुज और दानव का

अथवा

(अपठित काव्यांश-II)

मैं जब लौटा तो देखा
सहता जल का समस्त कोलाहल-
पोटली में बँधे हुए बूँटों ने
सूख गए हैं नीम के दातौन
फेंके हैं अंकुर
और पोटली में बँधे हुए बूँटों ने फेंके हैं अंकुर
दो दिनों के बाद आज लौटा हूँ वापस
निर्जन घर में जीवन की जड़ों को
अज़ीब गंध है घर में
पोसते रहे हैं ये अंकुर
किताबों, कपड़ों और निर्जन हवा की
खोलता हूँ खिड़की-
फेंटी हुई गंध
और चारों ओर से दौड़ती है हवा
पड़ी है चारों ओर धूल की एक परत और
मानो इसी इंतजार में खड़ी थी पल्लों से सट के
जकड़ा है जग में बासी जल
पूरे घर को जल भरी तसली-सा हिलाती
जीवन की कितनी यात्राएँ करता रहा यह निर्जन मकान
मुझसे बाहर मुझसे अनजान
मेरे साथ
जारी है जीवन की यात्रा अनवरत
तट की तरह स्थिर पर गतियों से भरा
बदल रहा है संसार

16. घर में किस प्रकार की गंध पसरी हुई थी? 1
(a) बासी खाद्य पदार्थों की (b) निर्जनता और बंद हवा की
(c) किताबों और धूल की (d) अंकुरित चने की

17. पोटली में बँधे चनों के अंकुरित होने का क्या अर्थ है? 1
(a) जीवन के बच जाने का
(b) उर्वरता और नव-जीवन का
(c) संभावनाओं के विस्तार का
(d) फसल बोने का समय हो गया

18. मकान जड़ और एक स्थान पर स्थिर होने के बाद भी कवि की यात्राओं की गतिशीलता में सहयात्री है— 1
यह भाव किस पंक्ति में है?
(a) निर्जन घर में जीवन की जड़ों को/पोसते रहे हैं ये अंकुर
(b) अजीब गंध है घर में/किताबों, कपड़ों और निर्जन हवा की
(c) तट की तरह स्थिर पर गतियों से भरा
(d) पूरे घर को जल भरी तसली-सा हिलाती

19. काव्यांश की शैली किस प्रकार की है? 1
(a) चित्रात्मक (b) विवरणात्मक
(c) कथात्मक (d) वर्णनात्मक

20. कवि के दो दिनों के बाद घर में लौटने पर घर की जो स्थिति है उससे कौन-सी बात स्पष्ट रूप से कही जा सकती है? 1
(a) कवि का घर किसी निर्जन स्थान पर है।
(b) कवि के घर में बहुत बेतरतीबी फैली रहती है।
(c) कवि की अनुपस्थिति में किसी ने घर की सफाई नहीं की।
(d) कवि अपने घर में अकेला है और उसके न होने पर घर निर्जन था।

खंड - ख : व्यावहारिक व्याकरण

निर्देश: प्रश्न-III से प्रश्न-VI तक के सभी प्रश्नों में पाँच-पाँच उप-प्रश्न दिए गए हैं। उनमें से प्रत्येक से चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

III. वाक्य (रचना) पर आधारित केवल 4 प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए: (1 × 4 = 4)

21. ''मूर्ति की आँखों पर एक चश्मा रखा था जो सरकंडे से बना था।'' - रचना के आधार पर प्रस्तुत वाक्य का भेद होगा— 1
(a) मिश्र वाक्य (b) संयुक्त वाक्य
(c) सरल वाक्य (d) कठिन वाक्य

22. निम्नलिखित में कौन-सा वाक्य सरल वाक्य नहीं है? 1
(a) अंतरा अपने विद्यालय नहीं जाने के बारे में बता रही थी।
(b) अंतरा विद्यालय न जाने के कारण पर बात कर रही थी।
(c) अंतरा विद्यालय नहीं गई पर क्यों यह पता नहीं।
(d) अंतरा ने किसी को अपने विद्यालय न जाने के बारे में नहीं बताया।

23. 'जब बालगोबिन भगत खेतों में रोपाई कर रहे थे, तब लोग उन्हें कनखियों से देख रहे थे'- यहाँ रेखांकित आश्रित उपवाक्य का भेद होगा? 1
(a) संज्ञा आश्रित उपवाक्य
(b) क्रिया-विशेषण आश्रित उपवाक्य
(c) विशेषण आश्रित उपवाक्य
(d) क्रिया आश्रित उपवाक्य

24. उन्होंने विश्वभर में प्रसिद्ध हिंदी-अंग्रेज़ी शब्दकोश तैयार किया- प्रस्तुत वाक्य का रूपांतरित संयुक्त वाक्य होगा— **1**

(a) उन्होंने हिंदी-अंग्रेजी शब्दकोश तैयार किया जो विश्वभर में प्रसिद्ध है।

(b) उन्होंने जो हिंदी-अंग्रेजी शब्दकोश तैयार किया वह विश्वभर में प्रसिद्ध हो गया।

(c) जो विश्वभर में प्रसिद्ध है, उस हिंदी-अंग्रेज़ी शब्दकोश को उन्होंने तैयार किया।

(d) उन्होंने हिंदी-अंग्रेज़ी शब्दकोश तैयार किया और वह विश्वभर में प्रसिद्ध हुआ।

25. निम्नलिखित में मिश्र वाक्य का उदाहरण है: **1**

(a) उसने परिश्रम किया और उसे सफलता भी मिली।

(b) परिश्रम करने से सफलता अवश्य मिलती है।

(c) जिसने भी परिश्रम किया वह अवश्य सफल होगा।

(d) परिश्रम करने और सफल होने में सीधा संबंध है।

IV. वाच्य-आधारित चार प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए: (1 × 4 = 4)

26. ''अध्यापक द्वारा कक्षा का जायज़ा लिया गया''। - वाक्य में प्रयुक्त वाच्य है— **1**

(a) कर्तृवाच्य **(b)** कर्मवाच्य

(c) भाववाच्य **(d)** करणवाच्य

27. निम्नलिखित वाक्यों में कौन सा कर्मवाच्य नहीं है? **1**

(a) प्रश्न पूछा गया। **(b)** सुंदर गीत लिखे हैं।

(c) फल खाए गए। **(d)** पाठ पढ़ाया जाता है।

28. 'हमसे इतनी तकलीफ सही नहीं जाती'- कर्तृवाच्य में बदलने पर होगा— **1**

(a) हमारे द्वारा इतनी तकलीफ सही नहीं जाती।

(b) हमसे इतनी तकलीफ कैसे सही जाएगी?

(c) हम इतनी तकलीफ नहीं सह सकते।

(d) हमसे इतनी तकलीफ कैसे नहीं सही जाएगी?

29. निम्नलिखित में कौन-सा कर्तृवाच्य का उदाहरण है? **1**

(a) तुलसीदास के द्वारा रामचरितमानस की रचना की गई।

(b) तुलसीदास से रामचरितमानस रचा गया।

(c) तुलसीदास द्वारा रामचरितमानस रची गई।

(d) तुलसीदास ने रामचरितमानस की रचना की।

30. 'राधा अब उठ-बैठ सकती है'- इस वाक्य का भाववाच्य में रूपांतरण होगा— **1**

(a) राधा से अब उठा-बैठा जाता है।

(b) राधा ने अब उठना-बैठना सीख लिया है।

(c) राधा अब से उठ-बैठ सकती है।

(d) क्या राधा से उठा जा सकता है?

V. पद संबंधी किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए: (1 × 4 = 4)

31. निम्नलिखित वाक्यों में से किसमें अकर्मक क्रिया का प्रयोग हुआ है? **1**

(a) मेरी बहन एक कहानी पढ़ती है।

(b) मेरी बहन एक उपन्यास पढ़ रही है।

(c) मेरी बहन एक अच्छे विद्यालय में पढ़ती है।

(d) मेरी बहन एक दिलचस्प पुस्तक पढ़ती है।

32. यह मेरा पसंदीदा रेस्तरां है- रेखांकित पद का परिचय है— **1**

(a) सार्वनामिक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, 'रेस्तरां' विशेष्य

(b) सर्वनाम, निश्चयवाचक, पुल्लिंग, एकवचन

(c) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन

(d) सर्वनाम, अनिश्चयवाचक, पुल्लिंग, एकवचन

33. उफ! 'क्या सोचा था क्या हो गया' में रेखांकित पद का परिचय होगा— **1**

(a) विस्मयादिबोधक, प्रसन्नता सूचक

(b) विस्मयादिबोधक, शोक सूचक

(c) विस्मयादिबोधक, अचरज सूचक

(d) विस्मयादिबोधक, घृणा सूचक

34. ''मन की कोमलता अक्सर चोट खा जाती है'' - में रेखांकित पद का परिचय होगा— **1**

(a) भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्मकारक

(b) विशेषण, गुणवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'मन' विशेष्य

(c) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ताकारक

(d) भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्ताकारक

35. घर के साथ ही एक बगीचा होता था- रेखांकित पद का परिचय होगा- **1**

(a) संबंधबोधक, अव्यय, घर और बगीचे के बीच संबंध दर्शा रहा है।

(b) समुच्चयबोधक, अव्यय, घर और बगीचे को जोड़ना

(c) क्रिया-विशेषण, स्थानवाचक, 'होता था' की विशेषता

(d) निपात

VI. 'रस' पर आधारित किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए। (1 × 4 = 4)

36. हास्य रस का स्थायी भाव है- **1**

(a) विस्मय **(b)** हास

(c) रति **(d)** हस

37. ''मन रे तन कागद का पुतला **1**
लागै बूँद बिनसि जाय छिन में
गरब करै क्या इतना''- इन पंक्तियों में कौन सा रस है?

(a) वीर रस **(b)** अद्‌भुत रस

(c) शांत रस **(d)** भयानक रस

38. क्रोध किस रस का स्थायी भाव है? **1**

(a) करुण रस **(b)** रौद्र रस

(c) शांत रस **(d)** वीर रस

39. निम्नलिखित में कौन-सा शृंगार रस का उदाहरण है? **1**

(a) सूख गया रस श्याम गगन का एक घूँट विष जग का पीकर।
ऊपर ही ऊपर जल जाते सृष्टि-ताप से पावस सीकर!

(b) सच मान, प्रेम की दुनिया में मौत नहीं, विश्राम नहीं
सूरज जो डूबे इधर कभी तो जाकर उधर निकलते थे।

(c) वो स्नेह करेंगे एक दिन सबसे
उनसे जिनसे तुमने सिखाया नफरत करना

(d) और तबसे नाम मैंने है लिखा ऐसे
कि, सचमुच, सिंधु की लहरें न उसको पाएँगी
फूल में सौरभ, तुम्हारा नाम मेरे गीत में है।

40. रस निष्पत्ति के लिए किन-किन की आवश्यकता होती है? 1
(a) विभाव, अनुभाव, संचारी भाव
(b) विभाव, अनुभाव, स्थायी भाव
(c) अनुभाव, स्थायी भाव, संचारी भाव
(d) विभाव, संचारी भाव और स्थायी भाव

खंड - ग : पाठ्य-पुस्तक पर आधारित

VII. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए: (1 × 5 = 5)

कातिक आया नहीं कि बालगोबिन भगत की प्रभातियाँ शुरू हुई, जो फागुन तक चला करतीं। इन दिनों वह सवेरे ही उठते। न जाने किस वक्त जगकर वह नदी-स्नान को जाते-गाँव से दो मील दूर। वहाँ से नहा-धोकर लौटते और गाँव के बाहर ही, पोखरे के ऊँचे मिंडे पर अपनी खँजड़ी लेकर जा बैठते और अपने गाने टेरने लगते। मैं शुरू से ही देर तक सोने वाला हूँ। किंतु, एक दिन, माघ की उस दाँत कटकटानेवाली भोर में भी, उनका संगीत मुझे पोखरे पर ले गया था। अभी आसमान के तारों के दीपक बुझे नहीं थे। हाँ, पूरब में लोही लग गई थी जिसकी लालिमा शुक्रतारा और बढ़ा रहा था। खेत, बगीचा, घर-सब पर कुहासा छा रहा था। सारा वातावरण अजीब रहस्य से आवृत्त मालूम होता था। उस रहस्यमय वातावरण में एक कुश की चटाई पर पूरब मुँह, काली कमली ओढ़े बालगोबिन भगत अपनी खँजड़ी लिए बैठे थे। उनके मुँह से शब्दों का ताँता लगा था और उनकी अँगुलियाँ खँजड़ी पर लगातार चल रही थीं। गाते-गाते इतने मस्त हो जाते, इतने सुरूर में आते, उत्तेजित हो उठते कि मालूम होता अब खड़े हो जाएँगे।

41. प्रस्तुत गद्यांश में किस माह का उल्लेख नहीं हुआ है? 1
(a) आश्विन
(b) कातिक
(c) फागुन
(d) माघ

42. बालगोबिन भगत गाते-गाते मस्त हो जाते, सुरूर में आते, उत्तेजित हो उठते से आप क्या समझते हैं? 1
(a) जाड़े के कारण काँपने लगना
(b) संगीत के आनंद में डूब नहीं पाना
(c) साहब की प्रसन्नता के लिए गाना
(d) गाने की धुन में खुद की सुध-बुध खो देना।

43. भगत के विषय में इनमें से कौन-सी बात ठीक नहीं है?1
(a) वह सवेरे ही जगकर गाँव से दो मील दूर नदी-स्नान के लिए जाते थे।
(b) गाँव के बाहर पोखर के ऊँचे मिंडे पर बैठ कबीर के पद गाते थे।
(c) बहुत अधिक सर्दी में उनकी अँगुलियाँ खँजड़ी पर चल नहीं पाती थीं।
(d) भगत पूरब की ओर मूँह किए काली कमली ओढ़कर बैठते थे।

44. लेखक ने अपनी दिनचर्या के बारे में अलग से रेखांकित करने वाली कौन सी बात बतायी है? 1
(a) वह रोज सुबह जल्दी उठ जाते थे।
(b) वह शुरू से ही देर तक सोने वाले व्यक्ति हैं।
(c) आमतौर पर वे जल्दी उठ जाने वाले व्यक्ति हैं।
(d) जाड़े के मौसम में वे देर तक सोते हैं।

45. 'पूरब में लोही लग गई थी' - वाक्य का अर्थ है- 1
(a) पूरब में सूरज पूरा निकल गया।
(b) पूरब दिशा में चाँद खूब चमक रहा है।
(c) शुक्र तारे की चमक आसमान में बढ़ रही है।
(d) पूरब में सूर्य निकलने से पहले की लालिमा है।

VIII. निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर वाले विकल्पों को चुनिए: (1 × 2 = 2)

46. हालदार साहब ने कैप्टन द्वारा नेताजी की मूर्ति पर चश्मा लगाने के जो अनुमान लगाए उनमें कौन-सा सही नहीं है? 1
(a) उसे नेताजी की बगैर चश्मे वाली मूर्ति बुरी लगती है।
(b) उसे अपने चश्मों का विज्ञापन करने के लिए मूर्ति उपयुक्त लगती होगी।
(c) उसे नेताजी की बिना चश्में वाली मूर्ति आहत करती है।
(d) उसे लगता कि नेताजी को बिना चश्में के असुविधा हो रही होगी। 1

47. नेताजी की मूर्ति किससे बनी थी?
(a) लाल पत्थर (b) ग्रेनाइट
(c) संगमरमर (d) प्लास्टर ऑफ पेरिस

IX. निम्नलिखित पठित काव्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए: (1 × 5 = 5)

कहेउ लखन मुनि सीलु तुम्हारा। को नहिं जान बिदित संसारा।।
माता पितहि उरिन भए नीकें। गुर रिनु रहा सोचु बड़ जी कें।।
सो जनु हमरेहि माथे काढ़ा। दिन चलि गए ब्याज बड़ बाढ़ा।।
अब आनिअ ब्यवहरिआ बोली। तुरत देउँ मैं थैली खोली।
सुनि कटु बचन कुठार सुधारा। हाय हाय सब सभा पुकारा।।
भृगुबर परसु देखावहु मोही। बिप्र बिचारि बचउँ नृपद्रोही।।
मिले न कबहुँ सुभट रन गाढ़े। द्विज देवता घरहि के बाढ़े।।
अनुचित कहि सब लोग पुकारे। रघुपति सयनहिं लखनु नेवारे।।

48. लक्ष्मण जब परशुराम को व्यंग्य में कह रहे हैं कि आप माता-पिता के ऋण से अच्छी तरह उऋण हुए तो इसके पीछे क्या कारण है? 1
(a) परशुराम अपने माता-पिता के सम्मान का माध्यम बने।
(b) परशुराम ने अपने माता-पिता को सुख-समृद्धि और ऐश्वर्य प्रदान किया।
(c) परशुराम अपने माता-पिता की मृत्यु का कारण बने।
(d) परशुराम अपने माता-पिता के लिए अपयश लाने वाले बने।

49. लक्ष्मण के कड़वे वचनों को सुन परशुराम ने कौन-सी प्रतिक्रिया की? **1**

(a) अपने परशु को संभाल कर आगे बढ़े।

(b) अपने स्थान पर अवाक खड़े रहे।

(c) आगे बढ़कर लक्ष्मण पर वार किया।

(d) विश्वामित्र से शिकायत करते हुए बोले।

50. लक्ष्मण का परशुराम के प्रति व्यवहार है— **1**

(a) आदरसूचक **(b)** अपमानजनक

(c) सम्मानजनक **(d)** कुटिलता-भरा

51. परशुराम को 'भृगुबर' क्यों कहा जा रहा है? **1**

(a) उनके क्रोधी स्वभाव के कारण।

(b) उनके बल और पराक्रम के कारण।

(c) उनके परशु का नाम था।

(d) वे भृगु ऋषि के वंशज थे।

52. 'को नहिं जान बिदित संसारा' का तात्पर्य है— **1**

(a) संसार भर से यह बात छिपी है।

(b) संसार भर में इसे कौन नहीं जानता?

(c) संसार से यह बात लगभग विलुप्त है।

(d) संसार में किसे अपनी जान प्रिय नहीं है।

X. निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए: **(1 × 2 = 2)**

53. गोपियाँ उद्धव के योग-संदेश को सुन योग को किसके लिए उपयुक्त बताती हैं? **1**

(a) अत्यधिक चतुर और विद्वान के लिए।

(b) अस्थिर मन वाले लोगों के लिए।

(c) जिनकी मति फिर गई हो उनके लिए।

(d) संत, महात्मा और ज्ञानी मनुष्यों के लिए।

54. गोपियों को 'कड़वी ककड़ी' के समान क्या प्रतीत हो रहा था? **1**

(a) कृष्ण से वियोग **(b)** कृष्ण की राजनीति

(c) उद्धव की बातें **(d)** योग का संदेश

❑❑❑

उत्तरमाला

खंड - क : अपठित गद्यांश

अपठित गद्यांश-I

I. उत्तर 1. (c) आधुनिक समाज मुक्त तथा मध्यकालीन समाज बंद होता है। **1**

उत्तर 2. (a) नैतिकता, सौंदर्यबोध और अध्यात्म **1**

उत्तर 3. (b) भारतीय समाज से न सिर्फ आधुनिकता दूर है बल्कि उसको लाने के प्रयास भी नहीं हो रहे। **1**

उत्तर 4. (d) (ख) और (क) **1**

उत्तर 5. (c) धन या संस्कृति के क्षेत्र में खुली छूट देना। **1**

अथवा

अपठित गद्यांश-II

उत्तर 6. (a) नदियों, नहरों और खेतों के चित्र **1**

उत्तर 7. (d) असामान्य **1**

उत्तर 8. (b) समुद्र तट : रेतीले **1**

उत्तर 9. (b) कथन और कारण दोनों सत्य हैं। **1**

उत्तर 10. (b) अविभाजित बंगाल की धरती का सौंदर्य **1**

अपठित काव्यांश-I

II. उत्तर 11. (c) रंगभेद **1**

उत्तर 12. (a) प्रेम नहीं होने पर **1**

उत्तर 13. (c) मिथ्या, छल और अभिमान **1**

उत्तर 14. (d) आंतरिक गुण और स्वभाव **1**

उत्तर 15. (b) धरती और आसमान का **1**

अथवा

अपठित काव्यांश-II

उत्तर 16. (c) किताबों और धूल की **1**

उत्तर 17. (b) उर्वरता और नव-जीवन का **1**

उत्तर 18. (a) निर्जन घर में जीवन की जड़ों को/पोसते रहे हैं ये अंकुर **1**

उत्तर 19. (a) चित्रात्मक **1**

उत्तर 20. (d) कवि अपने घर में अकेला है और उसके न होने पर घर निर्जन था। **1**

खंड - ख : व्यावहारिक व्याकरण

III. उत्तर 21. (a) मिश्र वाक्य **1**

> ***व्याख्या:*** यह मिश्र वाक्य है क्योंकि इसमें एक प्रधान वाक्य और एक विशेषण आश्रित उपवाक्य है।

उत्तर 22. (c) अंतरा विद्यालय नहीं गई पर क्यों यह पता नहीं। **1**

> ***व्याख्या:*** यह संयुक्त वाक्य का उदाहरण है।

उत्तर 23. (b) क्रिया-विशेषण आश्रित उपवाक्य **1**

> ***व्याख्या:*** यह क्रिया-विशेषण आश्रित उपवाक्य है क्योंकि इसमें 'देखना' क्रिया की विशेषता (काल/समय) का बोध हो रहा है।

उत्तर 24. (d) उन्होंने हिंदी-अंग्रेज़ी शब्दकोश तैयार किया और वह विश्वभर में प्रसिद्ध हुआ। **1**

> ***व्याख्या:*** इस सरल वाक्य का संयुक्त वाक्य में उचित रूपांतरण होगा विकल्प (D) क्योंकि इसमें 'और' योजक द्वारा दो सरल वाक्यों को जोड़ा गया है।

उत्तर 25.(c) जिसने भी परिश्रम किया वह अवश्य सफल होगा। **1**

व्याख्या: क्योंकि इसमें एक प्रधान और एक आश्रित उपवाक्य है। यह मिश्र वाक्य का उदाहरण है।

IV. **उत्तर 26.(b)** कर्मवाच्य **1**

व्याख्या: इस वाक्य में 'कर्म' की प्रधानता है तथा क्रिया का विधान कर्म के अनुसार हो रहा है।

उत्तर 27.(b) सुंदर गीत लिखे हैं। **1**

व्याख्या: यह कर्तृ वाच्य का उदाहरण है।

उत्तर 28.(c) हम इतनी तकलीफ नहीं सह सकते। **1**

व्याख्या: क्योंकि इस वाक्य में क्रिया का विधान कर्ता के अनुसार हो रहा है अत: दिए गए वाक्य को कर्तृ वाच्य में बदलने पर बनने वाला वाक्य विकल्प (c) होगा।

उत्तर 29.(d) तुलसीदास ने रामचरितमानस की रचना की। **1**

व्याख्या: इस वाक्य में कर्ता की प्रधानता है और क्रिया का विधान कर्ता के अनुसार हो रहा है जबकि अन्य तीन वाक्य कर्म वाच्य के उदाहरण हैं।

उत्तर 30.(a) राधा से अब उठा-बैठा जाता है। **1**

व्याख्या: इसका सही विकल्प (A) है क्योंकि यहाँ भाव की प्रधानता है और यह दिए गए वाक्य का उचित रूपांतरण है। वाक्य का रूपांतरण करते समय वाक्य का अर्थ भी वही है।

V. **उत्तर 31.(c)** मेरी बहन एक अच्छे विद्यालय में पढ़ती है। **1**

व्याख्या: इस वाक्य में अकर्मक क्रिया है जबकि अन्य तीनों वाक्यों में सकर्मक क्रिया है। अत: विकल्प (c) सही है।

उत्तर 32.(b) सर्वनाम, निश्चयवाचक, पुल्लिंग, एकवचन **1**

व्याख्या: दिए गए वाक्य में 'यह' पद से निश्चय वाचक सर्वनाम का बोध हो रहा है। यह पुल्लिंग और एकवचन है।

उत्तर 33.(b) विस्मयादिबोधक, शोक सूचक **1**

व्याख्या: यह पद अव्यय-विस्मयादिबोधक वाक्य है और इससे शोक का भाव प्रकट हो रहा है।

उत्तर 34.(a) भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्मकारक **1**

व्याख्या: 'कोमलता' पद भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, कर्मकारक और एक वचन है। अत: विकल्प (a) सही है।

उत्तर 35.(a) संबंधबोधक, अव्यय, घर और बगीचे के बीच संबंध दर्शा रहा है। **1**

व्याख्या: यहाँ 'के साथ' पद संबंधबोधक अव्यय है जो घर और बगीचे के बीच संबंध को दर्शा रहा है।

VI. **उत्तर 36.(b)** हास **1**

व्याख्या: हास्य रस का स्थायी भाव 'हास' है।

उत्तर 37.(c) शांत रस **1**

व्याख्या: यह शांत रस का उदाहरण है।

उत्तर 38.(b) रौद्र रस **1**

व्याख्या: क्रोध रौद्र रस का स्थायी भाव है।

उत्तर 39.(d) और तबसे नाम मैंने है लिखा ऐसे
कि, सचमुच, सिंधु की लहरें न उसको पाएँगी
फूल में सौरभ, तुम्हारा नाम मेरे गीत में है। **1**

व्याख्या: इन काव्य पंक्तियों में नायक अथवा नायिका की प्रेमानुभूति की अभिव्यक्ति का सुन्दर चित्रण होने के कारण यहाँ शृंगार रस है।

उत्तर 40.(a) विभाव, अनुभाव, संचारी भाव **1**

व्याख्या: रस निष्पत्ति के लिए विभाव, अनुभाव और संचारी भाव की आवश्यकता होती है।

खंड - ग : पाठ्य-पुस्तक पर आधारित

VII. **उत्तर 41.(a)** आश्विन **1**

व्याख्या: इस गद्यांश में कार्तिक, माघ, और फाल्गुन माह का उल्लेख है किन्तु आश्विन माह का उल्लेख नहीं है।

उत्तर 42.(d) गाने की धुन में खुद की सुध-बुध खो देना। **1**

व्याख्या: बालगोबिन भगत कबीर के भजन गाते-गाते इतने तन्मय हो जाते थे कि अपनी भी सुध-बुध खो देते थे।

उत्तर 43.(c) बहुत अधिक सर्दी में उनकी अँगुलियाँ खँजड़ी पर चल नहीं पाती थीं। **1**

व्याख्या: यह कथन उचित नहीं है क्योंकि भयंकर सर्दी में भी भजन गाते समय भगत की उंगलियाँ खँजड़ी पर बराबर चलती रहती थीं।

उत्तर 44.(b) वह शुरू से ही देर तक सोने वाले व्यक्ति हैं। **1**

व्याख्या: लेखक को सुबह जल्दी उठने की आदत नहीं थी। वे शुरू से ही देर तक सोने वाले व्यक्ति थे।

उत्तर 45.(d) पूरब में सूर्य निकलने से पहले की लालिमा है। **1**

व्याख्या: पूरब में लोही लगने का अभिप्राय पूरब (पूर्व) दिशा में सूर्य निकलने से पहले की लालिमा से है।

VIII.उत्तर 46. (b) उसे अपने चश्मों का विज्ञापन करने के लिए मूर्ति उपयुक्त लगती होगी। **1**

व्याख्या: यह अनुमान गलत है क्योंकि चश्मे वाला अपने चश्मों का विज्ञापन करने की भावना से नहीं वरन देश-प्रेम की भावना से ओतप्रोत होने के कारण नेता जी की चश्मा विहीन मूर्ति पर चश्मा लगाता था।

उत्तर 47.(c) संगमरमर **1**

व्याख्या: नेताजी की मूर्ति संगमरमर से बनी थी।

IX. उत्तर 48.(c) परशुराम अपने माता-पिता की मृत्यु का कारण बने। **1**

व्याख्या: परशुराम अपने माता-पिता की मृत्यु का कारण बन गए थे अत: विकल्प (C) सही है।

उत्तर 49.(a) अपने परशु को संभाल कर आगे बढ़े। **1**

व्याख्या: लक्ष्मण की कटु व्यंग्योक्तियों को सुनकर परशुराम क्रोधित हो गए और अपना परशु संभाल कर आगे बढ़े।

उत्तर 50.(b) अपमानजनक **1**

व्याख्या: परशुराम के प्रति लक्ष्मण का व्यवहार अपमानजनक था।

उत्तर 51.(d) वे भृगु ऋषि के वंशज थे। **1**

व्याख्या: परशुराम भृगु वंश में श्रेष्ठ भृगु ऋषि के वंशज थे।

उत्तर 52.(b) संसार भर में इसे कौन नहीं जानता? **1**

व्याख्या: इस पंक्ति का तात्पर्य है- इस बात को संसार में कौन नहीं जानता? अर्थात् यह बात पूरे संसार को ज्ञात है।

X. उत्तर 53.(b) अस्थिर मन वाले लोगों के लिए। **1**

व्याख्या: गोपियाँ उद्धव से कहती हैं कि हमारा चित्त तो श्री कृष्ण के प्रति एकाग्र है अत: तुम अपना यह योग का ज्ञान अस्थिर मन वाले व्यक्तियों को दो।

उत्तर 54.(d) योग का संदेश **1**

व्याख्या: गोपियों को योग का ज्ञान कड़वी - ककड़ी के समान त्याज्य (त्यागने-योग्य) अथवा न ग्रहण करने योग्य प्रतीत हो रहा था।

❑❑❑

Term – I

OMR SHEET

Booklet Series
A

Use English Numbers / Letters only. Use Blue / Black Ball Point Pen to write in box.

Booklet Series: Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ

Roll Number: 0 1 2 3 4 5 6 7 8 9

Subject

Name

Test Date

Student's Signature

Invigilator's Signature

Certified that all the entries in this section have been properly filled by the student

Proper Marking

The OMR Sheet will be computer checked Fill the circles completely and dark enough for proper detection, Use ballpen (black or blue) for marking.

Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ

Avoid Improper Marking

Partially Filled

Lightly Filled

Test Center Code: 0 1 2 3 4 5 6 7 8 9

IMPORTANT

The candidate should check that the Test Book Series printed on the OMR Sheet is the same as printed on the Test Booklet. In case of discrepancy, the candidate should immediately report the matter to the invigilator for replacement of both the Test Booklet and the Answer Sheet.

Darken the circle for each question.

Q.No.	Response
	खण्ड – क
01	
(i)	क ख ग घ
(ii)	क ख ग घ
(iii)	क ख ग घ
(iv)	क ख ग घ
(v)	क ख ग घ
	अथवा
(i)	क ख ग घ
(ii)	क ख ग घ
(iii)	क ख ग घ
(iv)	क ख ग घ
(v)	क ख ग घ
02	
(i)	क ख ग घ
(ii)	क ख ग घ
(iii)	क ख ग घ
(iv)	क ख ग घ
(v)	क ख ग घ

Q.No.	Response
	अथवा
(i)	क ख ग घ
(ii)	क ख ग घ
(iii)	क ख ग घ
(iv)	क ख ग घ
(v)	क ख ग घ
	खण्ड – ख
03	
(i)	क ख ग घ
(ii)	क ख ग घ
(iii)	क ख ग घ
(iv)	क ख ग घ
(v)	क ख ग घ
04	
(i)	क ख ग घ
(ii)	क ख ग घ
(iii)	क ख ग घ
(iv)	क ख ग घ
(v)	क ख ग घ

Q.No.	Response
05	
(i)	क ख ग घ
(ii)	क ख ग घ
(iii)	क ख ग घ
(iv)	क ख ग घ
(v)	क ख ग घ
06	
(i)	क ख ग घ
(ii)	क ख ग घ
(iii)	क ख ग घ
(iv)	क ख ग घ
(v)	क ख ग घ
	खण्ड – ग
07	
(i)	क ख ग घ
(ii)	क ख ग घ
(iii)	क ख ग घ
(iv)	क ख ग घ
(v)	क ख ग घ

Q.No.	Response
08	
(i)	क ख ग घ
(ii)	क ख ग घ
09	
(i)	क ख ग घ
(ii)	क ख ग घ
(iii)	क ख ग घ
(iv)	क ख ग घ
(v)	क ख ग घ
10	
(i)	क ख ग घ
(ii)	क ख ग घ